छांटे गये नियन्त्रण क्षेत्रों की तुलना में अधिक था

१९६१-६२ में उत्पादन योजनाओं के आधार पर नकद ऋणों के रूप में किसानों को कुल सहायता ११,६२,७२५ रुपये की दी गई—इस में से ९,५६,३०६ रुपये खरीफ के मौसम में दिये गये और २,७२,४१३ रुपये उर्वरकों के रूप में किसानों को दिये गये । इस वर्ष में लगभग १.३० लाख मन उन्नत बीज भी किसानों को वितरित किये गये ।

t[THE MINISTER OP STATE IN THE MINISTRY or FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) The total number of Farm Plans prepared during the year 1961-62 in Aligarh District of Uttar Pradesh under the Intensive Agricultural District Programme was 9,205.

During this period 1,750 scientific demonstrations of th$_e$ composite type, 408 during *Kharif* and 1,342 during *Rabi* season, were laid.

(b) Approximately 0:6 lakh acres of cultivated land was covered under the programme during 1961-62. The area which remains to be brought under the programme is approximately 6·00 lakh acres. The entire area is expected to be covered under the programme by 1965-66.

(c) It i« too early to assess the likely increase in agricultural production as a result of the implementation of the programme. This can be scientifically assessed only after some time. However, it was observed that the yield rates of important *Kharif* crops *viz.* Maize, Bajra and Arhar during 1961-62 was higher in the programme areas as compared to the control areas selected outside the district,

The total assistance given to the cultivators in the form of cash loans on the basis of Production Plans during 1961-62 was of the order bf Rs. 11,62,725—Rs. 9,56,306 during *Kharxj* season and Rs. 2,72,413 given to the cultivators in the shape of fetrilizers. Approximately 1-30 lakh mds. of improved seed were also distributed to the cultivators during the year.]

रासायनिक उर्वरक

२१८. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विभिन्न प्रकार के रासायनिक उर्वरकों के सम्बन्ध मे देश की वर्तमान आवश्यकता कितनी है, कितनी मात्रा में उनका देश मे उत्पादन हो रहा है और कितनी मात्रा में उनका आयात किया जा रहा है; और

(ख) इन उर्वरकों की शेष मांग की पूर्ति किस प्रकार तथा कब तक किये जाने की सम्भावना है ?

t [CHEMICAL FERTILIZERS

218. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN; Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the present requirement of the country in regard to the chemical fertilizers of various types, in what quantity they are being produced in the country and in what quantity they are being imported; and

(b) how and by when the rest of the demand of these fertilizers *is* likely to be met?]

f[ ] English translation.

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) १९६२-६३ के वर्ष के सम्बन्ध में स्थिति निम्न प्रकार है :—

उर्वरक की किस्म	प्लाण्ट न्यूट्रिएंट	अनुमानित आवश्यकतायें (टन)	अनुमानित देसी उत्पादन (टन)	अनुमानित आयात (टन)
नाइट्रोजन पूरक	एन	५,८९,०००	२,०२,०००	२,१५,०००
फोस्फोरस पूरक	पी$_2$ओ$_5$	१,११,०००	९६,०००	१०,०००*
पोटास पूरक	के$_2$ओ	८५,०००	नहीं के बराबर	६०,०००

*पहले ही लोकप्रिय बनाने के लिए मिश्रित उर्वरकों के रूप में (अमोनियम फास्फेट और नाइट्रोफोस्फेट)।

(ख) (१) मांग और सम्भरण के बीच के अन्तर को पूर्णरूप में समाप्त करने के लिए नाइट्रोजन पूरक और पोटास पूरक उर्वरकों के आयात का प्रबन्ध करना विदेशी मुद्रा की कठिनाई के कारण सम्भव नहीं हो सकेगा।

(२) आमतौर पर फोस्फोरस पूरक उर्वरकों की मांग देश के उत्पादन से ही पूरा की जा सकती है।

t[THE MINISTER OP STATE m THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) The position >with regard to the year 1962-63 is as below: —

Type of fertiliser	Plant nutrient	Estimated requirements (tonnes)	Estimated indigenous production (tonnes)	Estimated Imports (tonnes)
Nitrogenous	No	5,89,000	2,02,000	2,15,000
Phosphatic	P_2O_5	1,11,000	96,000	10,000*
Potassic	K_2O	85,000	Negligible	60,0000

*In the form of complex fertilisers (Ammonium-Phosphate and nitro-phosphate) for popularisation in advance.

(b) (i) It would not be possible, owing to foreign exchange difficulties, to arrange imports of nitrogenous and potassic fertilisers to bridge the gap between demand and supply to the full extent.

(ii) The demand for phosphatic fertilisers can generally be met from the production within the country.]

पानी उठाने वाले पलाये और गन्ने के रस की परीक्षा करने वाले यंत्र

२१९. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पानी उठाने वाले पलायों, जो थोड़े श्रम से अधिक पानी उठाते हैं और गन्ने के रस की परीक्षा करने वाले यन्त्रों की, जिनके नमूने गन्ना अनुसन्धान संस्था, लखनऊ द्वारा तैयार किये गये हैं, मुख्य विशेषतायें क्या हैं; और

†[ ] English translation.